



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 983]
No. 983]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 15, 2005/भाद्र 24, 1927
NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 15, 2005/BHADRA 24, 1927

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिसूचना

मुम्बई, 15 सितम्बर, 2005

जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (निगमीकरण और अपरस्फीकरण) स्कीम, 2005 के मामले में
प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4ख (7) के साथ पठित
धारा 4ख (6) के अधीन आदेश

का.आ. 1315(अ).—1.0 जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (इसमें इसके पश्चात् "जेएसईएल" के रूप में निर्दिष्ट), आरंभ में प्रत्याभूति द्वारा परिसीमित कंपनी के रूप में कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन रजिस्ट्रीकृत और तत्पश्चात् शेयरों द्वारा परिसीमित कंपनी के रूप में संपरिवर्तित, मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज है जिसके कारबार का मुख्य स्थान स्टॉक एक्सचेंज बिल्डिंग, जे.एल.एन. मार्ग, मालवीया नगर, जयपुर - 302 017 में स्थित है। प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (इसमें इसके पश्चात् "प्रसंविआ" के रूप में निर्दिष्ट) के उपबंधों के अनुसार इसका निगमीकरण और अपरस्फीकरण किया जाना अपेक्षित है।

2.0 जेएसईएल ने, अपने तारीख 27 जनवरी 2005 के पत्र द्वारा, इसके निगमीकरण और अपरस्फीकरण के लिए स्कीम प्रसंविआ की धारा 4ख की उप-धारा (1) के निबंधनों के अनुसार भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इसमें इसके पश्चात् "भाप्रविबो" के रूप में निर्दिष्ट) को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की। तारीख 28 मार्च 2005 के पत्र द्वारा, इसने निवेदन किया कि कंपनी रजिस्ट्रार, राजस्थान, जयपुर ने जेएसईएल, प्रत्याभूति द्वारा परिसीमित कंपनी को फॉर्म सं.5 द्वारा शेयरों द्वारा परिसीमित कंपनी में संपरिवर्तित कर दिया है, कंपनी रजिस्ट्रीकरण सं.2861 के दस्तावेज सं.199 तारीख 23.3.2005 के अधीन अभिलिखित। भाप्रविबो ने, अपने तारीख 25 मई 2005 के पत्र द्वारा, जेएसईएल को

संशोधित स्कीम प्रस्तुत करने की सलाह दी बीएसई (निगमीकरण और अपरस्परीकरण) स्कीम, 2005 के उन उपबंधों पर विचार करते हुए, जो जेएसईएल से सुसंगत और, के प्रति लागू हों ।

- 3.0 इसके पश्चात्, जेएसईएल ने, अपने तारीख 11 जून 2005 के पत्र द्वारा संशोधित स्कीम प्रस्तुत की । भाप्रविबो ने जाँच की और 7 जुलाई 2005 को बैठक के माध्यम से जेएसईएल से जानकारी अभिप्राप्त की । उक्त बैठक के दौरान हुई चर्चा के आधार पर, जेएसईएल ने स्कीम को पुनः प्रस्तुत करने की वांछा की ।
- 4.0 तदनुसार, जेएसईएल ने, अपने तारीख 21 जुलाई 2005 के पत्र द्वारा इसके निगमीकरण और अपरस्परीकरण के लिए और संशोधित स्कीम (इसमें इसके पश्चात् "स्कीम" के रूप में निर्दिष्ट) भाप्रविबो को अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की प्रसंविअ के उपबंधों के अनुसार ।
- 5.0 स्कीम में, अन्य बातों के साथ, सदस्यों के व्यापारिक अधिकारों से स्वामित्व तथा प्रबंधन के पृथक्करण, शेयरधारकों जो व्यापारिक सदस्य भी हैं के मताधिकारों पर निर्बंधन, शासी बोर्ड की संरचना और प्रसंविअ की धारा 4ख (6) के उपबंधों के अनुसार, आस्तियों तथा आरक्षितियों के उपयोग और जेएसईएल के निगमीकरण और अपरस्परीकरण के प्रयोजन के लिए तथा के संबंध में अपेक्षित अन्य मामलों का उपबंध है ।
- 6.0 भाप्रविबो, स्कीम पर विचार करते हुए और यह समाधान हो जाने पर कि यह व्यापार के हित में होगी और लोक हित में भी होगी, एतद्द्वारा लघु परिवर्तनों के साथ स्कीम को अनुमोदित करता है । अनुमोदित स्कीम उपाबंध क के रूप में संलग्न है ।
- 7.0 जेएसईएल स्कीम में यथा विनिर्दिष्ट समय के भीतर स्कीम की अनुपालना सुनिश्चित करेगा और स्कीम के उपबंधों के प्रतिकूल कोई भी बात नहीं करेगा और भाप्रविबो को अनुपालना की रिपोर्ट ऐसी रीति में प्रस्तुत करेगा जो भाप्रविबो द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए ।
- 8.0 भाप्रविबो के पास व्यापार के हित में और लोक हित में और स्टॉक एक्सचेंज के निगमीकरण और अपरस्परीकरण के उद्देश्यों को अग्रसर करने के लिए स्कीम को संशोधित करने, परिवर्तित करने या उपांतरित करने का अधिकार आरक्षित है ।
- 9.0 यह स्कीम राजपत्र में इसके प्रकाशन के दिन प्रभावी होगी ।

[फा. सं. भाप्रविबो/बाविबि/49399/2005]

एम. दामोदरन्, अध्यक्ष

उपाबंध कजयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (निगमीकरण और अपरस्परीकरण) स्कीम, 2005**1. नाम और प्रारंभ**

- 1.1 इस स्कीम को जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (निगमीकरण और अपरस्परीकरण) स्कीम, 2005 (इसमें इसके पश्चात् "यह स्कीम" अथवा "इस स्कीम" के रूप में निर्दिष्ट) कहा जायेगा।
- 1.2 यह स्कीम प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (इसमें इसके पश्चात् "प्रसंविअ" के रूप में निर्दिष्ट) की धारा 4ख की उप-धारा (4) के अधीन इसके प्रकाशन पर प्रभावी होगी।
- 1.3 जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (इसमें इसके पश्चात् "जेएसईएल" के रूप में निर्दिष्ट) का निगमीकरण और अपरस्परीकरण इस स्कीम के अनुसार नियत तारीख से ही हो जायेगा जो प्रसंविअ की धारा 4क के अधीन जेएसईएल की बाबत भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इसमें इसके पश्चात् "भाप्रविबो" के रूप में निर्दिष्ट) द्वारा अधिसूचित की जाये।

परंतु यह कि इस स्कीम के संबंधित खंडों में विनिर्दिष्ट क्रियाकलाप उन खंडों में विनिर्दिष्ट समय अनुसूची के अनुसार कार्यान्वित किये जायेंगे।

2. परिभाषाएँ

इस स्कीम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो: -

- 2.1 "नियत तारीख" से वह तारीख अभिप्रेत है, जो जेएसईएल के शासी बोर्ड द्वारा अवधारित की जाये, जो प्रसंविअ की धारा 4ख की उप-धारा (7) के अधीन आदेश के प्रकाशन की तारीख से 3 मास के पश्चात् की नहीं होगी।
- 2.2 "शासी बोर्ड" से जेएसईएल का निदेशक बोर्ड अभिप्रेत है।
- 2.3 "जयपुर स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड" से आरंभ में प्रत्याभूति द्वारा परिसीमित कंपनी अभिप्रेत है और तत्पश्चात् फॉर्म सं. 5 द्वारा शेयरों द्वारा परिसीमित कंपनी में संपरिवर्तित, कंपनी

रजिस्ट्रीकरण सं.2861 के दस्तावेज सं.199 तारीख 23.3.2005 के अधीन अभिलिखित, कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन रजिस्ट्रीकरण सं.2861 द्वारा रजिस्ट्रीकृत, जिसका अपना रजिस्ट्रीकृत कार्यालय स्टॉक एक्सचेंज बिल्डिंग, जे.एल.एन. मार्ग, मालवीया नगर, जयपुर - 302 017 में स्थित है, और प्रसंविअ के अधीन केंद्रीय सरकार द्वारा स्टॉक एक्सचेंज के रूप में मान्यताप्राप्त ।

- 2.4 "सदस्य" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो जेएसईएल द्वारा बनाये रखे गये सदस्यों के रजिस्टर के अनुसार जेएसईएल का सदस्य है ।
- 2.5 "शेयरधारक" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो जेएसईएल के किसी इक्विटी शेयर (किन्हीं इक्विटी शेयरों) को धारण करता है ।
- 2.6 "व्यापारिक सदस्य" से जेएसईएल का स्टॉक दलाल अभिप्रेत है और भाप्रविबो के पास भाप्रविबो (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 के अधीन रजिस्ट्रीकृत ।
- 2.7 इस स्कीम में प्रयोग किये गये और अपरिभाषित किन्तु भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, निक्षेपागार अधिनियम, 1996, प्रसंविअ, कंपनी अधिनियम, 1956, इन अधिनियमों के अधीन बनाये गये नियमों और विनियमों, जेएसईएल के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियमों, उप-विधियों और विनियमों में परिभाषित शब्दों और पदों के वही अर्थ होंगे जो क्रमशः ऊपर उल्लिखित अधिनियमों, संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियमों, उप-विधियों और विनियमों में उनके लिए नियत हैं ।

3. शासी बोर्ड

- 3.1 शासी बोर्ड का गठन, नियत तारीख से ही, समय-समय पर प्रवृत्त जेएसईएल के संगम-अनुच्छेद के उपबंधों के अनुसार किया जायेगा :

परंतु यह कि -

- i. व्यापारिक सदस्यों का प्रतिनिधित्व शासी बोर्ड की कुल संख्या के एक-चौथाई से अधिक न हो, और शेष निदेशकों की नियुक्ति ऐसी रीति से हो जो भाप्रविबो द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट की जाये, और
- ii. मुख्य कार्यपालक, चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाये, पदेन निदेशक हो ।

- 3.2 खंड 3.1 में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, भाप्रविबो शासी बोर्ड में निदेशकों को नामनिर्दिष्ट कर सकेगा जब कभी ठीक समझे ।

4. शेयरों का आबंटन

- 4.1 प्रत्येक सदस्य या उसका नामनिर्देशिती, (उन सदस्यों से भिन्न जिन्होंने जेएसईएल के संपरिवर्तन के समय इक्विटी शेयरों में अभिदाय किया है) यथास्थिति, जेएसईएल के सममूल्य पर नकदी के लिए रु.1/- प्रत्येक के अंकित मूल्य के 10,000 पूर्णतः समादत्त इक्विटी शेयरों के प्रति हकदार होंगे ।

- 4.2 जेएसईएल हकदार सदस्यों या उनके नामनिर्देशितियों, यथास्थिति, को इक्विटी शेयर आबंटित करेगा, नियत तारीख तक ।

परंतु यह कि जेएसईएल द्वारा निलंबित सदस्य के प्रति आबंटन को निलंबन के जारी रहने तक आस्थगित रखा जायेगा ।

- 4.3 इस खंड के अनुसरण में जेएसईएल के इक्विटी शेयरों के प्रति अभिदाय का आमंत्रण, और का प्रस्ताव, निर्गमन और आबंटन जनता को आमंत्रण, प्रस्ताव, निर्गमन या आबंटन के रूप में नहीं माना जायेगा ।

5. शेयरों की सूचीबद्धता

जेएसईएल किसी भी समय किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में इसकी प्रतिभूतियों को सूचीबद्ध कर सकेगा ।

6. अपरस्पर्ीकरण

- 6.1 व्यापारिक सदस्य शेयरधारक हो सकेगा या नहीं हो सकेगा ।

- 6.2 शेयरधारक व्यापारिक सदस्य हो सकेगा या नहीं हो सकेगा ।

7. व्यापारिक अधिकार

- 7.1 सदस्य, जो नियत तारीख से पूर्ववर्ती दिन को स्टॉक दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकृत है, नियत तारीख को व्यापारिक सदस्य बन जायेगा।
- 7.2 सदस्य जो नियत तारीख के पूर्ववर्ती दिन को स्टॉक दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकृत नहीं है नियत तारीख से 3 मास के भीतर भाप्रविबो (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 के अधीन स्टॉक दलाल के रूप में रजिस्ट्रीकृत हो जाने पर व्यापारिक सदस्य बन जायेगा।
- 7.3 नियत तारीख के पश्चात्, व्यापारिक सदस्य बनने की वांछा रखनेवाले व्यक्ति को सम्मिलित कर लिया जायेगा यदि वह जेएसईएल के नियमों, उप-विधियों और विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करता है और विनिर्दिष्ट फीस तथा निक्षेप लाता है।
- 7.4 जेएसईएल, व्यापारिक सदस्य के रूप में किसी व्यक्ति को सम्मिलित करने के प्रयोजन के लिए, पूँजी पर्याप्तता, निक्षेप, फीस आदि के निबंधनों के अनुसार एकरूप मानकों का अनुसरण करेगा उस व्यक्ति द्वारा व्यापारिक अधिकार के अर्जन की रीति का विचार किए बिना :
- परंतु यह कि व्यापारिक सदस्य जिसने पारेषण के रूप में व्यापारिक अधिकार अर्जित किया हो के तौर पर व्यक्ति को सम्मिलित करने के लिए विभिन्न मानकों का अनुसरण किया जा सकेगा।
- 7.5 व्यापारिक सदस्य अपनी सदस्यता का अभ्यर्पण जेएसईएल को जेएसईएल के नियमों, उप-विधियों और विनियमों में विनिर्दिष्ट रीति से कर सकेगा।
- 7.6 व्यापारिक अधिकार के अर्जन की तारीख या रीति का विचार किए बिना, व्यापारिक सदस्यों के पास एकरूप अधिकार और विशेषाधिकार होंगे।
- 7.7 नियत तारीख को व्यापारिक सदस्यों के पास उनके ग्राहकों और घटकों और अन्य सदस्यों की बाबत वही अधिकार और विशेषाधिकार बने रहेंगे, किसी कृत्य, लोप या संविदा या विधि, अधिसूचना, आदेश, निदेश, आदि से उद्भूत या के अधीन, जो कि नियत तारीख से पूर्व जेएसईएल में व्यापार करते हुए उनको प्रोद्भूत होते।
- 7.8 व्यापारिक सदस्य उनके ग्राहकों और घटकों, भाप्रविबो, जेएसईएल और अन्य प्राधिकरणों या अन्य व्यक्तियों के प्रति सभी बाध्यताओं और दायित्वों द्वारा आबद्ध होंगे, किसी कृत्य, लोप या संविदा या विधि, अधिसूचना, आदेश, निदेश, आदि से उद्भूत या के अधीन, नियत तारीख से पूर्व जेएसईएल में व्यापार करते हुए।

8. शेयरधारिता अधिकार

- 8.1 जेएसईएल सुनिश्चित करेगा कि इसके इक्विटी शेयरों का कम से कम 51% जनता द्वारा धारित है व्यापारिक अधिकारों वाले शेयरधारकों से भिन्न प्रसंविअ की धारा 4ख की उप-धारा (8) में विहित रीति में और कालावधि के भीतर।
- 8.2 नियत तारीख से ही, जेएसईएल सुनिश्चित करेगा कि जनता, व्यापारिक अधिकारों वाले शेयरधारकों से भिन्न, इक्विटी शेयरों का कम से कम 51% धारण करती रहे।
- 8.3 नियत तारीख से ही, किसी भी शेयरधारक के पास, जो व्यापारिक सदस्य है, जेएसईएल में मताधिकारों के 5% से अधिक मताधिकार (उसके द्वारा और उसके साथ सामान्य मति से कार्य करने वाले व्यक्तियों द्वारा धारित मताधिकारों को एकसाथ लिया गया) नहीं होंगे।

9. संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, आदि

- 9.1 नियत तारीख के पूर्ववर्ती दिन को जेएसईएल के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियम, उप-विधियाँ और विनियम, जब तक कि इस स्कीम के प्रतिकूल या से असंगत या द्वारा अपवर्जित न हों, नियत तारीख से ही इसके प्रति लागू होंगे।
- 9.2 जेएसईएल इस स्कीम के उपबंधों को समुचित रूप से नियत तारीख को या से पूर्व इसके संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियमों, उप-विधियों और विनियमों में सम्मिलित करेगा।
- 9.3 जेएसईएल के संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद, नियमों, उप-विधियों और विनियमों को नियत तारीख के पश्चात् संशोधित किया जा सकेगा, लागू विधियों के अनुसार, परंतु यह कि कोई ऐसा संशोधन इस स्कीम के किसी उपबंध से असंगत न हो।

10. समाशोधन और निपटान कृत्यों का अंतरण

- 10.1 जेएसईएल, नियत तारीख के दो वर्षों के भीतर, भाप्रविबो के पूर्विक अनुमोदन के अध्यक्षीन, इसके समाशोधन गृह के कर्तव्यों और कृत्यों को समाशोधन निगम, प्रसंविअ के अधीन मान्यताप्राप्त, में अंतरित करेगा।

10.2 जब तक समाशोधन गृह के कर्तव्य और कृत्य ऊपर खंड 10.1 में उपबंधित रूप से अंतरित नहीं हो जाते, तब तक जेएसईएल में व्यापार के संबंध में समाशोधन और निपटान कृत्यों को वर्तमान में जेएसईएल द्वारा यथा प्रयुक्त समाशोधन और निपटान तंत्र द्वारा या ऐसी अन्य रीति में कार्यान्वित किया जायेगा जो शासी बोर्ड अवधारित करे ।

11. आस्तियों और आरक्षितियों का उपयोग

11.1 जेएसईएल प्रसंविअ की धारा 4ख (3) के उपबंधों के प्रतिकूल कोई भी बात नहीं करेगा ।

11.2 खंड 11.1 में उपबंधों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जेएसईएल इसकी आस्तियों और आरक्षितियों, इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख को, या ऐसी आस्तियों के व्ययन से आगमों या ऐसी आस्तियों के व्ययन की आगमों से अर्जित आस्तियों के उत्तरवर्ती रूपों के व्ययन से आगमों का प्रयोग इस स्कीम के प्रकाशन की तारीख को बकाया चालू दायित्वों को उन्मोचित करने या स्टॉक एक्सचेंज के कारबार प्रचालनों से भिन्न किसी प्रयोजन के लिए नहीं करेगा ।

12. इस स्कीम की अनुपालना

12.1 जेएसईएल सभी समयों पर इस स्कीम के उपबंधों की अनुपालना सुनिश्चित करेगा और इस स्कीम के उपबंधों के प्रतिकूल कोई भी बात नहीं करेगा ।

12.2 जेएसईएल इस स्कीम के उपबंधों की अनुपालना की रिपोर्ट ऐसी रीति में करेगा जो भाप्रविषो द्वारा समय-समय पर अपेक्षित की जाये ।

13. कठिनाइयों का निराकरण

यदि इस स्कीम के उपबंधों को कार्यान्वित करने में कोई कठिनाई उत्पन्न होती है, तो भाप्रविषो, जेएसईएल के लिखित अनुरोध पर, इस स्कीम के उपबंधों में से किसी को शिथिल कर सकेगा ।

**SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA
NOTIFICATION**

Mumbai, the 15th September, 2005

Order under Section 4B(6) read with Section 4B(7) of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 in the Matter of The Jaipur Stock Exchange Limited. (Corporatisation and Demutualisation) Scheme, 2005.

S.O. 1315(E).—1.0 The Jaipur Stock Exchange Limited (hereinafter referred to as the 'JSEL'), registered under the Companies Act, 1956 initially as a company limited by guarantee and subsequently converted to a company limited by shares, is a recognised stock exchange having its principal place of business at Stock Exchange Building, JLN Marg, Malviyanagar, Jaipur 302 017. It is required to be corporatised and demutualised in accordance with the provisions of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (hereinafter referred to as the 'SCRA').

2.0 JSEL, vide its letter dated January 27, 2005, submitted a scheme for its corporatisation and demutualisation for approval to the Securities and Exchange Board of India (hereinafter referred to as the 'SEBI') in terms of sub-section (1) of section 4B of the SCRA. Vide letter dated March 28, 2005, it submitted that the Registrar of Companies, Rajasthan, Jaipur has converted JSEL, a company limited by guarantee to that of a company limited by shares vide Form No.5, recorded under document no.199 dated 23.3.2005 of Company Registration No.2861. SEBI, vide its letter dated May 25, 2005, advised JSEL to submit a revised scheme taking into account those provisions of the BSE (Corporatisation and Demutualisation) Scheme, 2005, which may be relevant and applicable to JSEL.

3.0 Thereafter, JSEL, vide its letter dated June 11, 2005 submitted a revised scheme. SEBI made enquiries and obtained information from JSEL through a meeting on July 7, 2005. Based on the discussions during the said meeting, JSEL desired to resubmit the scheme.

4.0 Accordingly, JSEL, vide its letter dated July 21, 2005 submitted a further revised scheme (hereinafter referred to as 'the Scheme') for its

- corporatisation and demutualisation to SEBI for approval in accordance with the provisions of the SCRA.
- 5.0** The Scheme, inter alia, provides for the segregation of ownership and management from the trading rights of the members, restriction on voting rights of shareholders who are also trading members, composition of the Governing Board etc. in accordance with the provisions of Section 4B(6) of the SCRA, utilisation of assets and reserves and other matters required for the purpose of and in connection with the corporatisation and demutualisation of JSEL.
- 6.0** SEBI, having considered the Scheme and on being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest, hereby approves the Scheme with minor modifications. The approved Scheme is enclosed as Annexure A.
- 7.0** JSEL shall ensure compliance with the Scheme within the time as specified in the Scheme and shall not do anything contrary to the provisions of Scheme and submit compliance report to SEBI in the manner as may be specified by SEBI.
- 8.0** SEBI reserves rights to amend, alter or modify the Scheme in the interest of the trade and in the public interest and in furtherance of the objectives of the corporatisation and demutualisation of the stock exchange.
- 9.0** The Scheme shall come into effect on the day of its publication in the Official Gazette.

[F. No. SEBI/MRD/49399/2005]
M. DAMODARAN, Chairman

Annexure A**THE JAIPUR STOCK EXCHANGE LIMITED (CORPORATISATION AND DEMUTUALISATION)**
SCHEME, 2005**1. Title and Commencement**

- 1.1 This Scheme shall be called the Jaipur Stock Exchange Limited (Corporatisation and Demutualisation) Scheme, 2005 (hereinafter referred to as "this Scheme").
- 1.2 This Scheme shall have effect on its publication under sub-section (4) of section 4B of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (hereinafter referred to as the "SCRA").
- 1.3 Jaipur Stock Exchange Limited (hereinafter referred to as "JSEL") shall be corporatised and demutualised in accordance with this Scheme on and from the Appointed Date as may be notified by the Securities and Exchange Board of India (hereinafter referred to as "SEBI") in respect of JSEL under section 4A of the SCRA.

Provided that the activities specified in the respective clauses of this Scheme shall be implemented as per the time schedule specified in those clauses.

2. Definitions

In this Scheme, unless the context otherwise requires:-

- 2.1 "**Due Date**" means the date, as may be determined by the Governing Board of JSEL, which shall not be later than 3 months from the date of publication of the Order under sub-section (7) of section 4B of the SCRA.
- 2.2 "**Governing Board**" means the Board of Directors of JSEL.
- 2.3 "**Jaipur Stock Exchange Limited**" means the company Limited by guarantee initially and subsequently converted to a company limited by shares vide Form No.5, recorded under document no.199 dated 23.3.2005 of Company Registration No.2861, registered under the Companies Act, 1956 vide registration no. 2861, having its registered office at Stock Exchange Building, JLN Marg, Malviyanagar, Jaipur 302 017, and recognised as a stock exchange by the Central Government under the SCRA.
- 2.4 "**Member**" means a person who is a member of JSEL as per the register of Members maintained by it.
- 2.5 "**Shareholder**" means a person who holds any equity share(s) of JSEL.
- 2.6 "**Trading Member**" means a stock broker of JSEL and registered with SEBI under the SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992.
- 2.7 Words and expressions used and not defined in this Scheme but defined in the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, the Depositories Act, 1996, the SCRA, the Companies Act, 1956, the rules and regulations made under these Acts, Memorandum and Articles of Association, the rules, bye- laws and regulations of JSEL, shall have the

6 Demutualisation

- 6.1 A Trading Member may or may not be a Shareholder.
6.2 A Shareholder may or may not be a Trading Member.

7 Trading Rights

- 7.1 A Member, who is registered as a stock broker, on the day preceding the Due Date shall become a Trading Member on the Due Date;
- 7.2 A Member who is not registered as a stock broker on the day preceding the Due Date shall become a Trading Member on being registered as a stock broker under the SEBI (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulation, 1992 within 3 months from the Due Date.
- 7.3 After the Due Date, a person desirous of becoming a Trading Member shall be admitted if he complies with requirements and brings in specified fees and deposits as specified in the Rules, Bye-laws and Regulations of VSE.
- 7.4 VSE shall, for the purpose of admitting any person as a Trading Member, follow uniform standards in terms of capital adequacy, deposits, fees etc. irrespective of mode of acquisition of trading right by that person:
Provided that different standards may be followed for admission of a person as a Trading Member who has acquired trading right by way of transmission.
- 7.5 A Trading Member may surrender his Membership to VSE in the manner specified in the Rules, Bye-laws and Regulations of VSE.
- 7.6 Irrespective of the date or mode of acquisition of trading right, the Trading Members shall have uniform rights and privileges:
Provided that VSE may, with the prior approval of SEBI, grant additional privileges to those Trading Members who were Members on the day preceding the date of re-registration.
- 7.7 Trading Members on the Due Date shall continue to have the same rights and privileges in respect of their clients and constituents and other Members arising out of or under any act, omission or contract or law, notification, order, direction etc. as had accrued to them while trading on VSE before Due Date.
- 7.8 Trading Members shall be bound by all obligations and liabilities towards their clients and constituents, SEBI, VSE and other authorities or other persons arising out of or under any act, omission or contract or law, notification, order, direction etc. while trading on VSE before Due Date.

8 Shareholding Rights

- 8.1 VSE shall ensure that at least 51% of its equity shares are held by public other than shareholders having trading rights in the manner and within the period prescribed in sub-section (8) of section 4B of the SCRA.

8.2 On and from the Appointed Date, VSE shall ensure that public, other than shareholders having trading rights shall continuously hold at least 51% of equity shares.

8.3 On and from Due Date, no shareholder, who is a Trading Member shall have voting rights (taken together with voting rights held by him and by persons acting in concert with him) exceeding 3% of the voting rights in VSE.

9 Memorandum and Articles of Association, etc.

9.1 Memorandum and Articles of Association, Rules, Bye-laws and Regulations of VSE on the day preceding the Due Date shall, unless contrary to or inconsistent with or excluded by this Scheme, apply to it on and from the Due Date.

9.2 VSE shall incorporate the provisions of this Scheme appropriately in its Memorandum and Articles of Association, Rules, Bye-laws and Regulations of VSE on or before the Due Date.

9.3 The Memorandum and Articles of Association, Rules, Bye-laws and Regulations of VSE may be amended after the Due Date in accordance with the applicable laws, provided that no such amendment is inconsistent with any provision of this Scheme.

10 Transfer of Clearing and Settlement Functions

10.1 VSE shall, within two years of the Due Date, subject to the prior approval of SEBI, transfer the duties and functions of the clearing house of VSE to a clearing corporation, recognised under SCRA.

10.2 Until the duties and functions of the clearing house are transferred as provided in clause 10.1, the clearing and settlement functions in relation to trading on VSE shall be carried out by the clearing and settlement mechanism as used by VSE at present or in such other manner as the Governing Board may determine.

11 Utilisation of Assets and Reserves

11.1 VSE shall not do anything contrary to the provisions of section 4B(3) of the SCRA.

11.2 Without prejudice to the generality of the provisions in clause 11.1, VSE shall not use the assets and reserves as on the date of publication of this Scheme or the proceeds from disposal of such assets or the proceeds from disposal of successive species of assets acquired from the proceeds of disposal of such assets for any purpose other than discharging the current liabilities outstanding as on the date of publication of this Scheme or the business operations of stock exchange.

12 Compliance with this Scheme

12.1 VSE shall ensure compliance with the provisions of this Scheme at all times and shall not do anything contrary to the provisions of this Scheme.

9.2 JSEL shall incorporate the provisions of this Scheme appropriately in its Memorandum and Articles of Association, Rules, Bye-laws and Regulations on or before the Due Date.

9.3 The Memorandum and Articles of Association, Rules, Bye-laws and Regulations of JSEL may be amended after the Due Date, in accordance with the applicable laws, provided that no such amendment is inconsistent with any provision of this Scheme.

10. Transfer of Clearing and Settlement Functions

10.1 JSEL shall, within two years of the Due Date, subject to the prior approval of SEBI, transfer the duties and functions of its clearing house to a clearing corporation, recognised under SCRA.

10.2 Until the duties and functions of the clearing house are transferred as provided in clause 10.1 above, the clearing and settlement functions in relation to trading on JSEL shall be carried out by the clearing and settlement mechanism as used by JSEL at present or in such other manner as the Governing Board may determine.

11. Utilisation of Assets and Reserves

11.1 JSEL shall not do anything contrary to the provisions of section 4B (3) of the SCRA.

11.2 Without prejudice to the generality of the provisions in clause 11.1, JSEL shall not use its assets and reserves as on the date of publication of this Scheme or the proceeds from disposal of such assets or the proceeds from disposal of successive species of assets acquired from the proceeds of disposal of such assets for any purpose other than discharging the current liabilities outstanding as on the date of publication of this Scheme or for the business operations of stock exchange.

12. Compliance with this Scheme

12.1 JSEL shall ensure compliance with the provisions of this Scheme at all times and shall not do anything contrary to the provisions of this Scheme.

12.2 JSEL shall report compliance with the provisions of this Scheme in such manner as may be required by SEBI from time to time.

13. Removal of Difficulties

If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Scheme, SEBI may, at the written request of JSEL, relax any of the provisions of this Scheme.
